पुराने एंव अनुत्पादक बाग-आम

कटाई – छँटाई

कटे भाग पर कॉपर आक्सीक्लोराइड,
या गोबर का लेप लगाएं

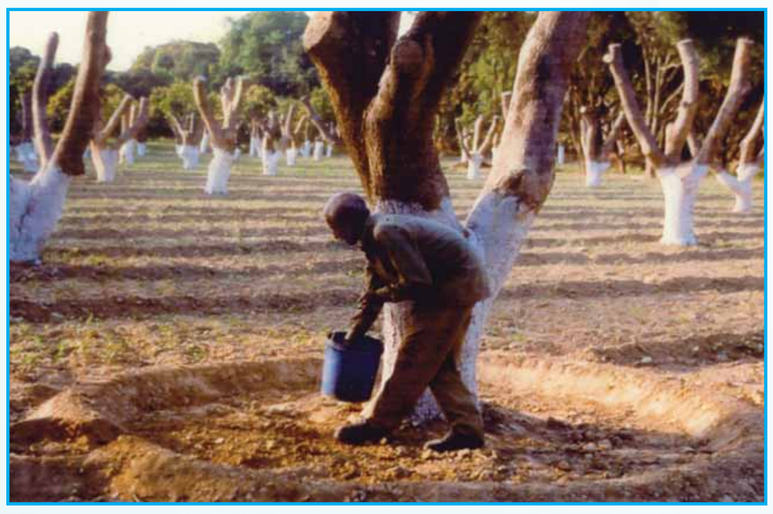

कटाई – छँटाई उपरान्त कृषकों द्वारा सावधानीपूर्वक
की जाने वाली प्रबंधन प्रक्रियाएं

जीर्णोद्धार के उपरान्त आवश्यक प्रबंधन क्रियायें

- कटे भाग गोबर अथवा कॉपर आक्सीक्लोराइड लेप लगायें।
- नियमित रूप से सिंचाई करने तथा रासायनिक व गोबर की खाद डालने हेतु थालों को बनायें।
- यूरिया 2.5 कि.ग्रा. प्रति पौधा, सिंगल सुपर फास्फेट 3.0 कि.ग्रा. प्रति पौधा, म्यूरेट ऑफ पोटाश 1.5 कि.ग्रा. प्रति पौधा तथा सड़ी गोबर की खाद 120.0 कि.ग्रा. प्रति पौधा का प्रयोग करें।
- यूरिया की आधी मात्रा तथा सिंगल सुपर फास्फेट + म्यूरेट ऑफ पोटाश की पूरी मात्रा फरवरी में तथा शेष भाग जुलाई में डालते है।
- तेज धूप के कारण नुकसान से बचाने के लिए तने व शाखाओं पर कॉपर तथा चूने का लेप करें।
- जीर्णोद्धार के पश्चात कल्लों के सृजन तथा समुचित वानस्पतिक वृद्धि के लिए सिंचाई सुनिश्चित करें।
- साइकिल की तीली की सहायता से छिद्रों से लार्वे निकालें।
- रूई के फाये को मोनोक्रोटोफॉस में भिंगोकर छिद्रों में रखें व उन्हे गीली मिट्टी से बन्द कर दें।
- जीर्णोद्धार के पश्चात मल्चिंग के लिए (100 माईक्रान त्र 400 गेज) काली पॉलीथीन का उपयोग करें।

कल्लों का विरलीकरण

- वृक्षों की कटी शाखाओं से प्रचुर मात्रा में मार्च माह के बाद नयें कल्लों का सृजन होता है।
- 8 से 10 कल्लें को छोड़कर शेष कल्लों को हटा देते है। यह प्रक्रिया जून माह में करते है।
- विरलीकरण के उपरान्त कॉपर ऑक्सीक्लोराइड (3 ग्राम प्रति लीटर) का छिड़काव करते है।

अन्त: फसल

प्रबंधन से प्राप्त बेहतर वृक्ष कैनोपी

जीर्णोद्धारित बाग में सब्जी की अन्त: फसल

जीर्णोद्धारित बाग में आलू की अन्त: फसल

DEPARTMENT OF HORTICULTURE & FOOD PROCESSING, CIRCUIT HOUSE, Dehradun (Uttarakhand) INDIA
Horticulture Mission for North East & Himalayan States, Uttarakhand ❙ E-mail: missionhortiuk@gmail.com ❙ Ph: 0135-2754961
For further details contact: Dr. Surbhi Pandey, Coordinator (HMNH) ❙ E-mail: surbi_pandey@yahoo.com

Printed at SHIVA OFFSET PRESS, Dehradun Ph. 0135-2715748